



4.

वुं मा मोठिर तसीका हाजा की सुपरोदा  
 भूमि अपने दमाल कब्जे तो हिस्से की जायेदाद  
 है जिजा पर मोठिर सखार को साताने गालगु तरी  
 अदा कर शरतिपूर्वक का अंज है. वुंकि मोठिर को  
 रूपया की अति आवश्यकता जानते वन्द जमी  
 काम है तुला के डेग जिसे बिक्री जमीन के  
 रूपया प्रबंध होना असम्भव था लेहाजा मोठिर  
 मोठिर ने मोठिर एलेहा ने जमीन बिक्री करने  
 की बात की तो दोनों फरीकों की सहमति

25/5/2001  
 25/5/2001

Radha Kishore Nath Tiwari